



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

19 आश्विन 1939 (श०)

(सं० पटना 935) पटना, बुधवार, 11 अक्टूबर 2017

गन्ना उद्योग विभाग

आदेश

26 सितम्बर 2017

सं० 02/वि०उ०-2-08/11-1643—राज्य की चीनी मिलों के लिए पेराई सत्र 2014-15 से 2016-17 के लिए अपराम्परागत रूप में आरक्षित किये गये ग्रामों के आरक्षण की अवधि समाप्त हो चुकी है। उपरोक्त आलोक में ऐसे ग्रामों का आगे के वर्षों के लिए आरक्षण, प्रवृत्त आरक्षण के किसी अंश में आवश्यक सुधार एवं मुक्त क्षेत्रों के आरक्षण के उद्देश्य से विभागीय पत्र संख्या-1300 दिनांक-28.07.2017 के माध्यम से राज्य की चीनी मिलों से आगे के वर्षों के लिए आरक्षण प्रस्ताव की माँग की गयी थी। तद्आलोक में बिहार ईख (आपूर्ति एवं खरीद का विनियमन) अधिनियम-1981 की धारा-31(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, जितेन्द्र कुमार सिंह, ईखायुक्त, बिहार, पटना द्वारा मेसर्स **एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि०, लौरिया**, प. चम्पारण से प्राप्त प्रस्ताव की सभी चीनी मिलों के प्रतिनिधियों, क्षेत्रीय ईख पदाधिकारियों, विभागीय पदाधिकारियों एवं अन्य संबंधितों के समक्ष दिनांक-18.09.2017 को पूर्वाह्न 11:45 बजे सुनवाई की गयी।

विभागीय आदेश ज्ञापांक-2307 दिनांक-24.09.2015 के माध्यम से इस चीनी मिल को पराम्परागत रूप से पेराई सत्र 2015-16 से 2019-20 के लिए आरक्षित 139 ग्रामों के आरक्षण एवं विभागीय आदेश ज्ञापांक-2157 दिनांक-24.09.2014 के माध्यम से अपराम्परागत रूप से पेराई सत्र 2014-15 से 2016-17 के लिए आरक्षित 31 ग्रामों के आरक्षण से संबंधित आदेश पत्र का भी अवलोकन किया गया।

अपने क्षेत्र आरक्षण के प्रस्ताव के सन्दर्भ में मेसर्स एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि०, लौरिया, प. चम्पारण के प्रबंधक द्वारा बताया गया कि उनके चीनी मिल की पेराई क्षमता 3500 TCD है। चीनी मिल के साथ एक 60 KLPD की डिस्टीलरी एवं 20 MW की एक सह-विद्युत इकाई भी स्थापित है। उन्होंने बताया गया कि पेराई सत्र 2017-18 के लिए उनका NCR 38.31 लाख विंटल निर्धारित किया गया है। उनके आरक्षित क्षेत्र में 39950.61 एकड़ में गन्ने की खेती हुई है जिसमें लगभग 140 विंटल प्रति एकड़ की दर से पेराई हेतु 55.93 लाख विंटल गन्ना उपलब्ध होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि उनके आरक्षित क्षेत्र से पड़ोस की चीनी मिलों द्वारा लगातार गन्ने की अवैध खरीद (पोचिंग) करने के कारण पेराई हेतु गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता होते हुए भी उनको अपने आवश्यकतानुसार के अनुरूप गन्ने की पेराई करने में कठिनाई होती है। आरक्षित क्षेत्र में उनके मिल द्वारा वर्षवार ईख विकास के कार्यक्रम चलाये जाते हैं।

उन्होंने बताया कि अपराम्परागत रूप से उनको आरक्षित होते आ रहे 31 ग्राम वर्षों से उनके चीनी मिल के साथ आरक्षित होते आये हैं। उनके चीनी मिल के पेराई क्षमता के अनुरूप गन्ने की आवश्यकता की पूर्ति हेतु इन ग्रामों

को उनके मिल के साथ आरक्षित किये जाने की आवश्यकता है। उपरोक्त आलोक में उनके द्वारा पूर्व से आरक्षित होते आ रहे 31 ग्रामों के अतिरिक्त योगापट्टी में नरकटियागंज को आरक्षित 7 ग्रामों एवं हरिनगर को लौरिया, ठकराहा एवं चनपटिया में आरक्षित 6 ग्रामों को उनके पक्ष में आरक्षित किये जाने की माँग की गयी।

सुनवाई में उपस्थित कार्यपालक अध्यक्ष, नरकटियागंज चीनी मिल द्वारा योगापट्टी अंचल में उनको आरक्षित मेसर्स एच.बी.एल. इकाई-लौरिया द्वारा मगध सुगर एण्ड एनर्जी लि० यूनिट-न्यू स्वदेशी सुगर मिल्स, नरकटियागंज द्वारा समर्पित किये गये प्रस्ताव अन्तर्गत योगापट्टी में उनके मिल को आरक्षित होते आ रहे 7 ग्रामों के आरक्षण प्रस्ताव का विरोध किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि उस क्षेत्र से उनकी चीनी मिल अपने आरक्षित ग्रामों का ही गन्ना खरीद करती है। हरिनगर चीनी मिल के प्रबंधक श्री जयन्ती लाल जैन द्वारा भी उनको आरक्षित होते आ रहे 6 ग्रामों के आरक्षण प्रस्ताव को अस्वीकृत करने हेतु अनुरोध किया गया।

बैठक में पश्चिम चम्पारण जिले के मिल प्रतिनिधियों द्वारा पश्चिम चम्पारण जिला अन्तर्गत अपराम्परागत रूप से ग्रामों के आगे के वर्षों के लिए आरक्षण की आवश्यकता की समीक्षा हेतु अनुरोध किया गया। अब तक बंद चीनी मिलों के क्षेत्र को अपराम्परागत रूप में तीन वर्षों के लिए आरक्षित किये जाते रहे हैं। Sugarcane control order के clause 6 A के प्रावधान के अनुसार 15 कि० मी० की परिधि के अन्दर कोई नई चीनी मिल नहीं लग सकती है। पश्चिम चम्पारण जिले की सभी चीनी मिलों ने अपने पेराई क्षमता का विस्तार किया है एवं आगे भी कर रही है। उपरोक्त के आलोक में एवं जिले में उपलब्ध खेती योग्य भूमि के दृष्टिगत जिले में किसी अन्य नई चीनी मिल की स्थापना या बंद चीनी मिल के पुनर्जीवन की संभावना नहीं दिखती है। ऐसी स्थिति में आगे के वर्षों के लिए अपराम्परागत रूप से इस जिले के ग्राम को आरक्षित करने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। ऐसे ग्रामों को जिले की कार्यरत चीनी मिलों के साथ ईख अधिनियम की धारा 31 (1) के प्रावधानों के आलोक में परम्परागत रूप से आरक्षित कर देना ही श्रेयस्कर प्रतीत होता है।

इस सुनवाई के पूर्व दिनांक 13.09.2017 को संबंधित क्षेत्र के गन्ना कृषकों की सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान उनके द्वारा अभिव्यक्त की गई भावनाओं सहित सभी किसानों, उनके प्रतिनिधियों, जनपतिनिधियों से प्राप्त अभ्यावेदनों का सूक्ष्मता से अध्ययन किया गया। सुनवाई के क्रम में योगापट्टी अंचल के सिसवनिया, मनधातापुर, गजना, बैसिया खाप एवं मंगलपुर के किसानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से साक्षात्कार कर यह बताया गया कि उनका क्षेत्र दियारा क्षेत्र है जहाँ से उनके द्वारा उत्पादित गन्ने के निष्पादन में कठिनाई होती है। उनके द्वारा गन्ने के क्रय की समुचित व्यवस्था करने की माँग की गयी थी।

संयुक्त क्षेत्रीय विकास परिषद्, पश्चिम चम्पारण द्वारा किये गये अनुशंसा का भी अवलोकन किया गया। सुनवाई के क्रम में मुख्य रूप से यह परिलक्षित हुआ कि एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि०, लौरिया, प. चम्पारण आरक्षित क्षेत्र में लगभग 55.93 लाख किंटल गन्ने की उपलब्धता है, जो उनके लिए निर्धारित NCR से भी अधिक है।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में संबंधित सभी पक्षों को सुनने के पश्चात् सम्यक विचारोपरान्त मेसर्स एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि०, लौरिया, प. चम्पारण के पक्ष में पेराई सत्र 2017-18 से 2021-22 (पाँच वर्षों) के लिए राज्य के पश्चिम चम्पारण जिला अन्तर्गत ग्रामों को जिसका विवरण संलग्न अनुसूची-“क” में अंकित है, को परम्परागत रूप से आरक्षित किया जाता है।

आदेश से,
जितेन्द्र कुमार सिंह,
ईखायुक्त, बिहार।

पेराई सत्र 2017-18 से 2021-22 तक एच.पी.सी.एल. बायोफ्यूल्स लि० इकाई- लौरिया को परम्परागत रूप से आरक्षित 28 ग्रामों की सूची:-

अनुसूची-“क”

जिला का नाम	प्रखण्ड	क्रमांक	ग्राम का नाम	राजस्व थाना संख्या
1	2	3	4	5
प० चम्पारण	योगापट्टी	01.	रमपुरवा	352
		02.	बलुआ देव राय	353
		03.	बलुआ भवानी राय	354
		04.	बलुआ मुरत राय	355
		05.	बलुआ नेवाज राय	356
		06.	कौलापुर	357
		07.	हरिहरपुर	398
		08.	भवानीपुर	401
		09.	भवानीपुर	402
		10.	नवलपुर	403
		11.	सेमरी भवानीपुर	404

जिला का नाम	प्रखण्ड	क्रमांक	ग्राम का नाम	राजस्व थाना संख्या
1	2	3	4	5
		12.	बलडिहा	413
		13.	चौवे टोला	414
		14.	सेमरी	415
		15.	सिसवा वैरागी	416
		16.	निमोईया	417
		17.	चन्द्रउल	418
		18.	चौदपुर	419
		19.	बरवासानी	420
		20.	खैरटिया	421
		21.	खैरटिपया	422
		22.	डीही	367
		23.	भटवलिया	358
		24.	बंगही	49
		25.	बहुअतवा	99
		26.	लालगढ़	20 / 2
	बगहा	27.	सिसवा टोला जयराम	381
		28.	रूपवलिया	389

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
 बिहार गजट (असाधारण) 935-571+50-डी0टी0पी0।
 Website: <http://egazette.bih.nic.in>